











## संपादकीय पीओके में अशांति अमित शाह का बयान

पाक अधिकृत कश्मीर-पीओक में जनता का गुस्सा तथा व्यापक अराजकता को देखते हुए अमित शाह ने कहा है कि भारत इसे अपने साथ शामिल कर लेगा। वर्तमान समय में कश्मीर धाटी में शार्ति एवं सद्व्यवन्वय व्याप्त है, पर एलओसी के पार पीओके में जनता के साथ पुलिस द्वारा अधिसंनिक बलों के बीच टकराव से अराजकता की स्थिति व्याप्त है। ऐसे में भारतीय गृह मंत्री अमित शाह ने जोर दिया है कि वह क्षेत्र 'भारत का' है और हम इसे फिर अपने साथ शामिल कर लेंगे। उनके इस बयान से संवेदनशील इतिहास के विवादित क्षेत्र पर फिर बहस तेज हुई है। विभाजन के बाद अन्य ऐसे राज्यों की तरह जम्मू कश्मीर की देशी रियासत को भारत या पाकिस्तान के साथ विलय का विकल्प दिया गया था। जम्मू कश्मीर वे तत्कालीन शासक महाराजा हरि सिंह शुश्रआत में तो 'स्वतंत्र' रहना चाहते, पर पाकिस्तान-समर्थित कबीलाई उग्रवादियों की घुसपैठ के कारण उन्होंने अक्टूबर, 1947 में भारत में विलय का फैसला किया। इसके कारण भारत-पाकिस्तान के बीच पहला युद्ध हुआ और संयुक्त राष्ट्रसंघ के आह्वान पर युद्धविराम के पश्चात एलओसी निर्धारित की गई। इससे यह क्षेत्र भारतीय जम्मू कश्मीर तथा पीओके में विभाजित हो गया। हालांकि, भारत ने अधिकांश क्षेत्र पर कब्जा कर लिया था, पर लगभग एक तिहाई क्षेत्र पर पाकिस्तानी कब्जा बना रहा जिसे उसने 'आजाद जम्मू कश्मीर' तथा मिलाइट-बाल्टिस्तान का नाम दिया। इस प्रकार भारतीय दृष्टिकोण से पीओके जम्मू कश्मीर का अखंड अंग है और उसे भारत में शामिल करने ऐतिहासिक, विधिक व नैतिक आधार पर उचित क्षेत्र संबंधी दावा है। भारतीय संसद ने इस पर सर्व-सम्मत प्रस्ताव पास किया है। लेकिन विपक्षी



मचा पर उठाता रहा है। उसने जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 समाप्त करके मुद्रे पर भी हायतोबा मचाई, पर उसे इस्लामी देशों का भी साथ नहीं मिला। जहां जम्मू कश्मीर अनुच्छेद 370 हटने के बाद से शांति, लोकतंत्र और प्रगति की राह पर तेजी से अग्रसर है, वहीं बदलाल पाकिस्तान वेकड़े वाले पीओके में जनता को दो जून की रोटी भी मुहाल है। वहां आगे की कीमतों, विजली की दरों तथा पाकिस्तान सरकार द्वारा थोपे करों वेकिरियों में व्यापक जनादोलन हुआ। पुलिस व पाकिस्तानी रेंजर्स के साथ मुठभेड़ में तीन प्रदर्शनकारियों के मारे जाने के बाद आंदोलन और उग्र हंगामा गया। सालों से अशांत इस क्षेत्र में मानवाधिकार व लोकतंत्रिक अधिकारों के उल्लंघनों तथा पाकिस्तानी अवस्थापना द्वारा जनता के स्वर दबाने के घटनायें बार-बार सामने आई हैं। यहां 'गिलगिट बाल्टिस्तान मूर्खमेंट' जैसे नागरिक अधिकार आंदोलन पाकिस्तानी अल्याचारों का लगातार मुकाबला कर रहे हैं। इन आंदोलनों ने भारत सरकार से बार-बार आह्वान किया है कि वह उनके उत्पीड़न को दुनिया भर में उजागर करे। पीओके में जनता का बड़ा हिस्सा भारत वाले जम्मू कश्मीर में विलय का इच्छुक है और उसकी आवाज मुखर रूप से दुनिया के सामने आ रही है। ऐसे में अभियान शाह के बयान को संकुचित चुनावी दृष्टिकोण के बजाय व्यापक संर्दर्भ में देखा जाना चाहिए।

Digitized by srujanika@gmail.com

**आ** ज राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ समाज में जिस प्रकार धूलिमिल चुका है, उसके पीछे 1925 से अब तक लक्ष्यविधि कार्यकर्ताओं की वह साधना है, जिससे संगठन और समाज सम्पर्क हो चुके हैं। संघ के ऐसे लाखों कार्यकर्ता हैं, जो बिना किसी अपेक्षा के अपना सर्वस्व मातृभूमि के श्रीचरणों में अपित करते रहे हैं। पूरे जीवनकाल में उहें स्वयं के लिए किसी चीज का आकर्षण नहीं, स्वयं के लिए कोई अपेक्षा नहीं और न ही श्रेय की आकांक्षा। छोटे कद के पांडुंग मोषे संघ के ऐसे ही विशाल ऐसेरियां भागी हैं। 1963 से संघ के लिए कर उन्होंने जिस तरह खड़ा किया, यह राष्ट्रकाल का प्रेरक उदाहरण है। ही ही कोई कार्यकर्ता हो जिस प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप हो। धमतरी में जिला संघकार्य की जो नींव कार्यकर्ता गढ़े। समाज सर्वस्पर्शी व सर्वव्यापी खड़ा किया। उनके देव स्वयंसेवकों ने जहां दूसरा अधिक संघर्ष किया।

मध्यवानष्ट तपस्वा थ। 1963 सं सघ के प्रचारक निकलने के लिए उन्होंने अपनी एक अच्छी भली नौकरी छोड़ दी। इसके बाद संघ कार्य करते हुए सागर में आपातकाल के विशद्ध सत्याग्रह में भाग लिया। आपातकाल विरोधी सत्याग्रह और जनजागरण गतिविधियों को भाग लेने के आरोप में उन्हें तकालिन प्रशासन ने दमोह की जेल में कैद कर दिया। अवधारित मध्य प्रदेश में दमोह में जिला प्रचारक के दायित्व में रहे श्री मोरेजी का जन्म महाराष्ट्र के जलगांव जिले में 11 मई 1931 को हुआ था।

1931 का हुआ था। सुदूर महाराष्ट्र से आकर छत्तीसगढ़ में रेलवे दखन जात माधज उन्हें राष्ट्र जीवन से जुड़ी बातें

## होर्डिंग हादसा

मुंबई में होर्डिंग हादसा एक बड़ी त्रासदी है। 16 लोगों का असमय काल के काल में समा जाना मानवीय भूल व शहरी प्रबंधन में लापरवाही का ही नीतीजा है। विज्ञापनों की होड़ में कंपनियां बड़े-बड़े होर्डिंग तो जगह-जगह लगा देती हैं मगर सुरक्षा के नाम पर रक्षात्मक उपाय नहीं किए जाते हैं। मुंबई में दुर्घटना के दो दिनों बाद भी लोगों का मलबे के नीचे से निकलना जाता है कि होर्डिंग अनुप्रयति से कितने अधिक बड़े आकार में लगाए गए थे। पूर्व सांसद किरीट सोमैया के दावे को अगर सही मानें तो मुंबई में 400 से अधिक ऐसे होर्डिंग हैं जो अपनी सीमा में कहीं अधिक बड़े और खतरनाक हैं। याकोपग घटना से सबक लेकर सरकार को मुंबई ही नहीं देशभर में अवैध होर्डिंगों के खिलाफ अधियान चलाना चाहिए ताकि घटना की पुनरावृत्ति ना हो। आने वाले बरसात के मौसम के मद्देनजर इस मामले में गंभीरता जरूरी है। मुंबई का होर्डिंग हादसा देश भर के सभी नगर निकायों के लिए सबक है कि वे शहरों में विज्ञापनों से होने वाली आय की तुलना में नागरिकों की सुरक्षा पर अधिक ध्यान दें। इस तथ्य पर भी गौर करना चाहिए कि सामान्य स्थिति में भी सड़कों के किनारे लगे होर्डिंग ड्राइवरों का ध्यान बंदा कर ट्रैफिक दुर्घटनाओं का कारण बनते रहे हैं जिनमें अनेक लोगों की जान गई है।

कर उन्होंने जिस तरह उन्होंने समाज का कानून खड़ा किया, यह राष्ट्रकार्य के प्रति उनकी एकात्मता का प्रेरक उदाहरण है। छत्तीसगढ़ में संघ का शायद ही कोई कार्यकर्ता हो जिसके व्यक्तित्व को गढ़ने में प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से मोघे जी योगदान न रहा हो। धमतरी में जिला प्रचारक रहते हुए उन्होंने संघकार्य की जो नींव रखी उसने कई सेवा भारी कार्यकर्ता गढ़े। समाज के प्रत्येक वर्ग तक सर्वसंर्पणी व सर्वव्यापी रूप में समाज कार्य करने खड़ा किया। उनके देवलोकगमन पर धमतरी वे स्वयंसेवकों ने जहां उनका पितृतुल्य गरिमा वे साथ अंतिम संस्कार किया वहीं समाज का प्रत्येक वर्ग उन्हें अंतिम विदाई देने पहुंचा।

गयपुर स्थित छातीसगढ़ प्रांत के संघ कार्यालय जागृति मंडल में वह लगभग 20 वर्ष तक कार्यालय प्रमुख के दायित्व पर रहे। ऐसे में प्रांत भर के कार्यकर्ताओं से उनका अपनत्व था स्वास्थ्य ठीक न होने पर भी राष्ट्र कार्य के प्रति उनकी गतिशीलता में कोई कमी नहीं थी। मध्य क्षेत्र के माननीय संघचालक डॉ पुर्णेन्दु सक्सेना उन्होंने पितामह यानते थे। वह जब भी अस्पताल में उनके देवरने जाने मोषेजी उन्हें समाजपाल पर्याएँ से मंत्रिलिपि

## होर्डिंग हादसा

मुंबई में होर्डिंग हादसा एक बड़ी त्रासदी है। 16 लोगों का असमय काल के काल में समा जाना मानवीय भूल व शहरी प्रबंधन में लापरवाही का ही नीतीजा है। विज्ञापनों की होड़ में कंपनियां बड़े-बड़े होर्डिंग तो जगह-जगह लगा देती हैं मगर सुरक्षा के नाम पर रक्षात्मक उपाय नहीं किए जाते हैं। मुंबई में दुर्घटना के दो दिनों बाद भी लोगों का मलबे के नीचे से निकलना जताता है कि होर्डिंग अनुमति से कितने अधिक बड़े आकार में लगाए गए थे। पूर्व सांसद किरीट सोमैया के दावे को अगर सही मानें तो मुंबई में 400 से अधिक ऐसे होर्डिंग हैं जो अपनी सीमा में कहीं अधिक बड़े और खतरनाक हैं। घाटकोप्प

## मोदी की चुनौती

मुंबई में होर्डिंग हादसा एक बड़ी त्रासदी है। 16 लोगों का असमय काल के काल में समा जाना मानवीय भूल व शहरी प्रबंधन में लापरवाही का ही नीतीजा है। विज्ञापनों की होड़ में कंपनियां बड़े-बड़े होर्डिंग तो जगह-जगह लगा देती हैं मगर सुरक्षा के नाम पर रक्षात्मक उपाय नहीं किए जाते हैं। मुंबई में दुर्घटना के दो दिनों बाद भी लोगों का मलबे के नीचे से निकलना जताता है कि होर्डिंग अनुमति से कितने अधिक बड़े आकार में लगाए गए थे। पूर्व सांसद किरीट सोमैया के दावे को अगर सही मानें तो मुंबई में 400 से अधिक ऐसे होर्डिंग हैं जो अपनी सीमा में कहीं अधिक बड़े और खतरनाक हैं। घाटकोप्प

- एमएम राजावत, शाजापुर

# ਗੋਂਧੀ ਕੋ ਪ੍ਰੇਰਿਤ ਕਰਤੇ ਥੇ ਪਾਂਡੁਖੰਗ ਮੋਬੈਲ

कई बार वह अस्पताल वे सेवादारों को राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत गीत भी सुनाते थे उहोंने स्वास्थ्य अत्यंत विषय होने पर भी 7 मई व्हीलचेयर पर बैठकर मतदान करने पहुंचे। राष्ट्रीय कर्तव्य के प्रति उनमें ऐसा प्रेरणादायी आग्रह था।

समाज जीवन में कानून करते हुए कितनी छोटी-छोटी बातें ध्यान में रखनी होती हैं आदरणीय मोर्धे जी संयुक्तिमाला आचरण की साक्षात् प्रतिमिश्वाथे। उनके साथ कार्य कर चुके स्वयंसेवक बताते हैं, मोर्धेजी से मिलने का अर्थ होता था दस-पांच लोगों के विषय में वह कुशलताक्षम पूछते थे, और उनसे मिलने के प्रति प्रेरित करते। उन्होंने स्वस्थ रहने वे लिए जीवन को कैसे अनशासन में रखना यह

रूस-चीन दोस्त  
न दिन पर दिन  
हैं। इससे यह  
सँझ होती है कि  
मन अपना दोस्त  
की देश और नाटो  
मांग के लिए आज  
इक हैं। इसीलिए  
ब्लादिमीर पुतिन  
ग की दोस्ती दिव  
चढ़ रही है। शी  
र्सोंको के दौर में  
संबंधों में एक नए  
किया था, जबकि  
3 में पुतिन ने  
किया था तो शी  
र्सों के बीच गहरी  
की थी। अब एक  
बीजिंग की यात्रा  
श उस संबंधों को

और गहरा  
मास्को छा  
के बाद छा  
देखना है  
रुसी आक्रमण  
तक साथ  
पश्चिमी न  
और उसका  
समाप्त करना  
का भी प्रस्तुत  
रूस की  
की रणनीति  
भी परीक्षा  
होगा कि वह  
आक्रमक क्या  
क्या दृष्टिकोण  
भारत-अमेरिका  
प्रभाव पड़े  
-

अपनी कठोर जीवन शैली से करके दिखाया। एक बार भोजन, पूरी मितव्ययता और जब तक स्वस्थ रहे साइकिल से प्रवास करते रहे। संघ के गृहस्थ कार्यकर्ताओं के बीच उनका यह वाक्य अत्यंत प्रेरणादायी है कि समाज का कार्य परिवार के साथ संतुलन बनाकर ही किया जाना चाहिए, किन्तु ध्यान रहे परिवार की ओर पोंछ और समाज की ओर मुँह हो।

सत्साक्षा या सुपुत्रा जा सुरुता उनका उनकी जीवनशैली में था। पांदुरंग मोघेजी कार्यालय से बचे भोजन, सब्जी के छिलके इत्यादि को नियमित रूप से एकत्र करते और पास में विचरण करने वाले मवेशियों को स्वयं खिलाने जाते। उनके हाथ में पक्षियों को बैठकर दान चुपते देखना किसी को जीव जंतु प्रेमी के लिए प्रेरणाप्रद है। एक बार सांड ने उहें बुरी तरह चौटिल कर दिया, लेकिन मोघेजी अगले दिन भी उसे भगाने के बजाय पहले की तरह चारा और पानी देते नजर आए।

मितव्ययिता ऐसी कि स्वयं के लिए कभी उहोंने कुछ व्यय किया हो ऐसा उदाहरण ही सामने नहीं आता। उनके साथ कार्य कर चुके एक कार्यकर्ता कहते हैं कार्यालय फेन करने पर भी

उत्तराखण्ड की चारधाम वृद्धालुओं का सैलाब उत्तराखण्ड के लिए योग्य हो गया है। अब चीन यूक्रेन पर कब तक मामले में कब तक रहेगा? चीन के संबंध हैं और भी संबंध हैं रूस-यूक्रेन युद्ध में अपनी पश्यमस्थिता का लिया था। चीन-विश्व निकटता भारत के स्वायत्तता के लिए बहुत तरह है। देखना जल की भारत के प्रति के मामले में रूस का अपना एगा। इसका का संबंधों पर भी ।

नन्हे सिंह जमशेतपुर

## आप को बात

802

न दिन पर दिन  
हैं हैं। इससे यह  
सँझ होती है कि  
मन अपना दोस्त  
ती देश और नाटो  
रांग के लिए आज  
एक हैं। इसीलिए  
ब्लादिमीर पुतिन  
य की दोस्ती दिन  
चढ़ रही है। शी  
र्पांस्को के दौर में  
संवधें में एक नए  
किया था, जबकि  
3 में पुतिन ने  
किया था तो शी  
र्पांस्को के बीच गहरी  
की थी। अब एक  
बीजिंग की सात्रा  
श उन संवधें को

और गहरा  
मास्को छावनी  
के बाद वह  
देखना है रुसी आक्रमण  
तक साथ  
पश्चिमी ने  
और उसके समान करने  
का भी प्रस्तुत  
रूस की की  
की रणनीति भी  
भी परीक्षा  
होगा कि वह  
आक्रमण का  
क्या दृष्टिकोण  
भारत-अमेरि  
प्रभाव पड़े  
- ज्ञान ब

रना चाहते हैं जो दो  
यूक्रेन पर आक्रमण  
ष्ट हो गए हैं। अब  
चीन यूक्रेन पर  
के मामले में कब  
तक रहेगा? चीन के  
से भी संबंध हैं  
रूस-यूक्रेन युद्ध  
में अपनी मध्यस्थिता  
विक्रिया था। चीन-  
इंडिया निकटता भारत  
स्वायत्ता के लिए  
नीति तरह है। देखना  
की भारत के प्रति  
के मामले में रूस  
अपना एगा। इसका  
का संबंधों पर भी  
।

नं सिंह ज्ञानप्रगति

उत्तराखण्ड की चारधाम  
श्रद्धालुओं का सैलाब उत्तराखण्ड  
10 मई से यात्रा शुरू हो गई है।  
से 14 मई तक करीब  
लाख तीर्थयात्री यमुनोत्री  
केदारनाथ और बद्रीनाथ  
हैं। अभी तक 27 लाख  
धाम यात्रा के लिए पंजीयन  
चुके हैं। इस वर्ष 80 लाख  
चारधाम यात्रा हेतु हिमाल  
पहुँचने की संभावना  
लोगों में धार्मिक पर्यटन  
प्रति रुक्ण बढ़ा है क्योंकि  
पर सड़कें अच्छी बन गई  
सुरंगें बनाने से मार्ग सुगम  
हो गए हैं। देशभर में व

---

इस कॉलम में अपने  
pioneer.edito

चारधाम यात्रा

उत्तराखण्ड की चारधाम यात्रा में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ रहा है। 10 मई से यात्रा शुरू होने के बाद से 14 मई तक करीब पौने तीन लाख तीरथयात्री यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ जा चुके हैं। अभी तक 27 लाख लोग चार धाम यात्रा के लिए पंजीयन करवा चुके हैं। इस वर्ष 80 लाख लोगों के चारधाम यात्रा हेतु हिमालय पर पहुंचने की संभावना है। बैशक लोगों में धार्मिक पर्यटन के प्रति प्रति रुक्षन बढ़ा है क्योंकि पहाड़ों पर सड़कें अच्छी बन गई हैं तथा नई सुरुएं बनाने से मार्ग सुगम और छोटे हो गए हैं। देशभर में कई ट्रेवल्स एजेंसीज सक्रिय हो गई हैं और हेलीकॉप्टर के सभी टिकट अभी से बुक हो चुके हैं। जिन्हें बाद में भारी मुनाफा जीडिकर बेंच दिया जाएगा। गत वर्षों से हमने पहाड़ों पर भारी प्राकृतिक आपदाएं आते हुऐ देखी हैं। इसका सबसे बड़ा कारण पर्यटक सुविधाओं के लिए किए जा रहे नियमण व अधिक भीड़ है। समय आ गया है कि सरकार को पहाड़ों पर जाने वाले पर्यटकों की संख्या नियंत्रित करनी होगी। पर्यटन व पर्यावरण संरक्षण में संतुलन धार्मिक स्थलों के दूरगामी विकास व स्थायित्व के लिए भी जरूरी है।

- सुभाष बुड़ावन वाला, रत्नाम



## अवैध तरीके से क्रेशर मालिक कर रहे ब्लास्टिंग जिम्मेदार अधिकारी निभा रहे कार्रवाई के नाम पर औपचारिकता

पायनियर संवादकाता ▲ जंजीर चांप

www.dailypioneer.com

जिले के विकासखड़ बलोदा अंतर्गत ग्राम पंचायत बिरगाहनी (च) में क्रेशर मरीन संचालित करने वाले खादान मालिकों के द्वारा अवैध रूप से ब्लास्टिंग की जा रही है। बिना अनुमति नहीं दी रही अवैध ब्लास्टिंग के चलते खनिज संदर्भ को नुकसान हो रहा है। पिछले कई महीनों से की जा रही ब्लास्टिंग किए जाने के मामले की अनेदेही खनिज विभाग सहित प्रशासन द्वारा की जा रही है। जिला प्रशासन की ओर से ब्लास्टिंग की कोई अनुमति नहीं दी गई है। इसके बाद भी क्रेशर संचालक बैंकटोक विस्फोट करने में जुटा हुआ है। ऐसे में बिरगाहनी गांव की कई हेक्टेयर भूमि में गहरी खादान बन गई है। अवैध विस्फोट और खनन का यह जिले में पहला मामला नहीं है, परों क्षेत्र में इसी तरह की गतिविधियां संचालित हो रही हैं।

बिना अनुमति की जा रही अवैध ब्लास्टिंग

गड्ढ बाबा लोगों के लिए जानलेवा चांप जांजीर मुख्य मार्ग के किनारे बोल्टर बिकाले के चक्कर 2 में क्रेशर संचालक द्वारा रोड के फिलो बड़ा गड्ढ कर दिया गया है। उत्तरान के दिनों वौं भाग पर कर्ता भी हवासा हो सकता है। रोड से लगे खदान में फिलहाल हो रही ब्लास्टिंग से आसपास के लोग डूँगे सहमे हैं।



## डिटी रेंजर की बोलेरो से कुचलकर हत्या

पुरानी रिजिस्ट्र के चलते आरोपी ने सुनियोजित तरीके से की हत्या



रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ विधानसभा क्षेत्र में गुरुगांव की दोपहर डिटी रेंजर की सड़क हास्पे में घूमते के मामले में नया मोड़ आ गया है। पुलिस ने जांच उत्पात पुरानी रिजिस्ट्र के चलते डिटी रेंजर की हत्या करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार कर दिया है। आरोपी के द्वारा सुनियोजित तरीके से घटना को अंजाम दिया गया था। मिली जानकारी के अनुसार गुरुगांव की दोपहर करीब 03 बजे धरमजयगढ़ में नये रोड की ओर उत्तर मंडी की पास एक अज्ञात बोलेरो वाहन की चेपट से उन्हें लैम्बर वालक संजय तिवारी के द्वारा वह की जावह से दिया घटना में जुटा हुआ था। उत्तर निवासी काण्ठार पुलिस टीम तकरान गांव बैद्यपारा में दबिश देकर वाहन के चालक आरोपी बस्ती कुमार यादव की पास एक अज्ञात बोलेरो वाहन से पूछाउत करने पर आरोपी ने पुरानी रिजिस्ट्र पर संजय तिवारी को बोलेरो वाहन से कुचल कर हत्या की जावह से दिया घटना है।

आरोपी बस्ती कुमार यादव का पूर्व से मृतक संजय तिवारी से रिजिस्ट्र थी। एसडीआरपी धरमजयगढ़ दिल्ली तिवारी वे धरमजयगढ़ पुलिस सभी पहुंचों पर बालीकी से जांची की निर्देश दिया गया। जांच अधिकारी द्वारा आरोपी बस्ती कुमार यादव की चेपट के द्वारा जावह से अपेक्षित हो रही थी। जांच की अपेक्षा निवासी काण्ठार पुलिस टीम ने उत्तर मंडी की जावह से अपेक्षित हो रही थी।

आरोपी बस्ती कुमार यादव को अपेक्षित हो रही थी।

आरोपी बस्ती कुमार यादव को अपेक्षित हो रही थी।

आरोपी बस्ती कुमार यादव को अपेक्षित हो रही थी।

आरोपी बस्ती कुमार यादव को अपेक्षित हो रही थी।

आरोपी बस्ती कुमार यादव को अपेक्षित हो रही थी।

आरोपी बस्ती कुमार यादव को अपेक्षित हो रही थी।

आरोपी बस्ती कुमार यादव को अपेक्षित हो रही थी।

आरोपी बस्ती कुमार यादव को अपेक्षित हो रही थी।

आरोपी बस्ती कुमार यादव को अपेक्षित हो रही थी।

आरोपी बस्ती कुमार यादव को अपेक्षित हो रही थी।

आरोपी बस्ती कुमार यादव को अपेक्षित हो रही थी।

आरोपी बस्ती कुमार यादव को अपेक्षित हो रही थी।

आरोपी बस्ती कुमार यादव को अपेक्षित हो रही थी।

आरोपी बस्ती कुमार यादव को अपेक्षित हो रही थी।

आरोपी बस्ती कुमार यादव को अपेक्षित हो रही थी।

आरोपी बस्ती कुमार यादव को अपेक्षित हो रही थी।

आरोपी बस्ती कुमार यादव को अपेक्षित हो रही थी।

आरोपी बस्ती कुमार यादव को अपेक्षित हो रही थी।

आरोपी बस्ती कुमार यादव को अपेक्षित हो रही थी।

आरोपी बस्ती कुमार यादव को अपेक्षित हो रही थी।

आरोपी बस्ती कुमार यादव को अपेक्षित हो रही थी।

आरोपी बस्ती कुमार यादव को अपेक्षित हो रही थी।

आरोपी बस्ती कुमार यादव को अपेक्षित हो रही थी।

आरोपी बस्ती कुमार यादव को अपेक्षित हो रही थी।

आरोपी बस्ती कुमार यादव को अपेक्षित हो रही थी।

आरोपी बस्ती कुमार यादव को अपेक्षित हो रही थी।

आरोपी बस्ती कुमार यादव को अपेक्षित हो रही थी।

आरोपी बस्ती कुमार यादव को अपेक्षित हो रही थी।

आरोपी बस्ती कुमार यादव को अपेक्षित हो रही थी।

आरोपी बस्ती कुमार यादव को अपेक्षित हो रही थी।

आरोपी बस्ती कुमार यादव को अपेक्षित हो रही थी।

आरोपी बस्ती कुमार यादव को अपेक्षित हो रही थी।

आरोपी बस्ती कुमार यादव को अपेक्षित हो रही थी।

आरोपी बस्ती कुमार यादव को अपेक्षित हो रही थी।

आरोपी बस्ती कुमार यादव को अपेक्षित हो रही थी।

आरोपी बस्ती कुमार यादव को अपेक्षित हो रही थी।

आरोपी बस्ती कुमार यादव को अपेक्षित हो रही थी।

आरोपी बस्ती कुमार यादव को अपेक्षित हो रही थी।

आरोपी बस्ती कुमार यादव को अपेक्षित हो रही थी।

आरोपी बस्ती कुमार यादव को अपेक्षित हो रही थी।

आरोपी बस्ती कुमार यादव को अपेक्षित हो रही थी।

आरोपी बस्ती कुमार यादव को अपेक्षित हो रही थी।

आरोपी बस्ती कुमार यादव को अपेक्षित हो रही थी।

आरोपी बस्ती कुमार यादव को अपेक्षित हो रही थी।

आरोपी बस्ती कुमार यादव को अपेक्षित हो रही थी।

आरोपी बस्ती कुमार यादव को अपेक्षित हो रही थी।

आरोपी बस्ती कुमार यादव को अपेक्षित हो रही थी।

आरोपी बस्ती कुमार यादव को अपेक्षित हो रही थी।

आरोपी बस्ती कुमार यादव को अपेक्षित हो रही थी।

आरोपी बस्ती कुमार यादव को अपेक्षित हो रही थी।

आरोपी बस्ती कुमार यादव को अपेक्षित हो रही थी।

आरोपी बस्ती कुमार यादव को अपेक्षित हो रही थी।

आरोपी बस्ती कुमार यादव को अपेक्षित हो रही थी।

आरोपी बस्ती कुमार यादव को अपेक्षित हो रही थी।

आरोपी बस्ती कुमार यादव को अपेक्षित हो रही थी।

आरोपी बस्ती कुमार यादव को अपेक्षित हो रही थी।

आरोपी बस्ती कुमार यादव को अपेक्षित हो रही थी।

आरोपी बस्ती कुमार यादव को अपेक्षित हो रही थी।

आरोपी बस्ती कुमार यादव को अपेक्षित हो रही थी।

आरोपी बस्ती कुमार यादव को अपेक्षित हो रही थी।

आरोपी बस्ती कुमार यादव को अपेक्षित हो रही थी।

आरोपी बस्ती कुमार यादव को अपेक्षित हो रही थी।

आरोपी बस्ती कुमार यादव को अपेक्षित हो रही थी।

आरोपी बस्ती कुमार यादव को अपेक्षित हो रही थी।

आरोपी बस्ती कुमार यादव को अपेक्षित हो र







